

Comm. zu TAITT. PAṬ. 2, 12. 23. Das entsprechende partic. lautet श-
कित (im Unterschied von शक्त) Kāc. zu P. 7, 2, 17. Vop. 26, 110. तत्रा-
पि त्रुगृहे दग्धुं समारब्धा (so ed. Bomb.) न शकिता विदुरमन्त्रितेन ob-
gleich man es versuchte sie zu verbrennen, so konnten sie doch nicht ver-
brannt werden MBh. 1, 3823. 3824. अपनेतुं च यतितो न चैव शकिता म-
या 6015. यदि वै पितरो मम । शक्तिर्न शकितास्त्रातुम् 6853. 7418. 7, 4814.
दिलीपेन — पुनर्न शकिता नेतुं गङ्गा (शक्तिं तेन गङ्गा 43, 48 GORR.) प्रार्थ-
यता R. 1, 44, 53. R. GORR. 1, 69, 8. KATHS. 39, 154. 63, 45. 63, 35.

— desid. s. u. 1. शिन्.

— अनु nachthun können: न ततैः अन्याः अनु वीर्यं शक्नुवन् RV. 10, 43, 5.

— परि bewältigen: न शक्नुः परिशक्नुवे RV. 8, 67, 7.

— प्र vermögen: को नु स्तौतुं प्रशक्नुयात् HARIV. 14902. कर्णो प्रयोद्धुं न
प्रशक्त्ये MBh. 8, 3384. — प्रशक्त MBh. 7, 1427 fehlerhaft für प्रसक्त, wie
die ed. Bomb. liest.

— प्रति gegen Jmd (acc.) Etwas vermögen: प्रतिशक्नुर्न सैन्धवम् MBh.
7, 1780.

— सम् vermögen AV. 1, 27, 3. mit infin. Buāc. P. 10, 61, 3. mit Etwas
zu Stande kommen: तस्मिन्प्रार्तनं समंशक्नुवन् TS. 6, 4, 2, 1. न पिशचैः सं
शक्नामि न स्तेनैः ich komme nicht zu Stande so v. a. ich will nichts zu
schaffen haben mit AV. 4, 36, 7.

2. शक्, शग्धि, शक्तम्, (श्र)शक्क्याम्, शक्स्, शेकिम्. 1) Jmd (dat.) helfen:
ता नः शक्तं शचीभिः RV. 7, 67, 5. वृकाय 68, 8. 8, 3, 11. fg. शग्धि तव
तत्र उतिभिः 24, 11. 30, 5. 14. 69, 3. 80, 4. शर्वते 10, 40, 5. — 2) (ver-
helfen zu) Jmd einer Sache (gen.) theilhaftig machen: रायः RV. 2, 2, 12.
4, 21, 10. 5, 68, 3. वारस्य 3, 16, 6. TBh. 2, 4, 4, 3. — 2. शक् liesse sich
etwa als transit. zu 1. शक् Jmd in Stand setzen betrachten.

— desid. s. 2. शिन्.

— आ 1) helfen: स नः शक्छिदा शकदिन्ने विद्याभिन्नितिभिः RV. 8,
32, 12. — 2) theilhaft machen: तस्मिन् शक् वस्व आ शको नः RV. 7, 20,
9. — 3) einladen zu (acc.): आ त्वा शक्क्यामुपमं राधो धृतिः RV. 10, 29, 3.
सुधमादम् zum Gelage 88, 17. Nir. 7, 30 (zu 1. शक् gezogen).

— उप 1) helfen; s. उपशक् in den Nachträgen. — 2) mittheilend
hingeben: पुंसि शिन्ते नोप शेकिम् AV. 6, 114, 2, 3; vgl. die v. l. TBh. 2, 4, 4, 9.

1. शैक 1) n. a) Mist: इहैव गोवृ एतन्नेहो शकैव (शके oder शका इव)
पुष्यत AV. 3, 14, 4. °वलि 20, 131, 16. Vgl. शस्य° und शक्न्, शक्त्.
— b) v. l. für कश = उदक Nāigh. 1, 12. — 2) f. छा P. 7, 3, 44, Schol.
VS. 24, 32. TS. 5, 3, 18, 1. nach MānDh. = शकुन्ति Vogel; nach Andern
= मल्लिका oder ein langohriges Thier (मृग).

2. शक m. pl. N. pr. eines Volkes, die Indoscythen H. an. 2, 17. MED.
k. 34. LIA. 2, 362. fgg. gaṇa शाण्डिकादि zu P. 4, 3, 92. AV. PAṬ. in
Ind. St. 10, 318. M. 10, 44. (Vasishṭha's Kuh असृजत्) प्रसवाद्वाविडा-
उक्कान् MBh. 1, 6683. 2, 1088. 6, 352. 359 (VP. 188. 190. 193). 13, 2103.
HARIV. 760. 767. 6441. Söhne Narishjant's 641. अर्थ शकानां शिर्से
मुण्डयित्वा (मुण्डे कृत्वा die neuere Ausg.) 780. 782. R. 1, 54, 20 (35, 20
GORR.). शकुद्शाच्छकाः स्मृताः 53, 3 (36, 3 GORR.). 4, 40, 21. 44, 13. VARĀH.
BRH. S. 8, 38. 75. 79. 9, 21. 13, 9. 14, 21. 16, 1. 17, 26. 18, 6. RĀGA-TAR. 3,
128. MĀRK. P. 58, 6. VP. 374. 474. 475, N. 64. Buāc. P. 9, 8, 5. शकादपश
संभाष्या भद्रत्तादिनामभिः Sām. D. 172, 16. शकाराणां शकादीनां शाकारि
VII. Theil.

(भाषा) संप्रयोजयेत् 173, 6. °देश Verz. d. Oxf. H. 339, a, 31. शकाधिपराज-
धानी डिह्नी 274, b, No. 631. fg. °नृपाल WEBER, GJOT. 9, N. शकारिर्वि-
क्रमादित्यः RĀGA-TAR. 2, 6. GĀṬĀDH. im ÇKDr. शकात्तक m. = विक्रमा-
दित्य ÇKDr. ohne Angabe einer Aut. °काल die Çaka-Aera (78 n. Chr.)
VARĀH. BRH. S. 13, 3 (= RĀGA-TAR. 1, 56). UTPALA zu BRH. 7, 8. RĀGA-TAR.
1, 52. Verz. d. Oxf. H. 188, b, 13. °भूपकाल dass. VARĀH. BRH. S. 8, 21.
शकेन्द्रकाल dass. 20. °वर्षाणां सक्त्रे गते सति WEBER, GJOT. 98, N.; vgl.
KERN in der Einl. zu seiner Ausg. von VARĀH. BRH. S. 8. fgg. शक sg.
gaṇa गर्गादि zu P. 4, 1, 105. ein Fürst der Çaka gaṇa कम्बोजादि zu
P. 4, 1, 175, Vārtt. H. an. MED. — Vgl. शाक, शाक्य.

3. शक m. ein best. vierfüßiges Thier (v. l. शल) PANĒAT. 1, 7, 28. —
MBh. 13, 2835 fehlerhaft für शुक, wie die ed. Bomb. liest.

शकच m. N. pr. RĀGA-TAR. 5, 176.

शैकट UNĀDIS. 4, 81. m. n. gaṇa शैर्घादि zu P. 2, 4, 31. 1) m. (dieses
selten) und n. Karren, Wagen Nir. 6, 22. 11, 47. AK. 2, 8, 20. H. 753.
HALĀ. 2, 289. ÇĀṆKE. ÇR. 4, 14, 33. KĪND. Up. 4, 1, 8. शकटमिवाचेतनमिदं
शरीरम् MAITREJUP. 2, 3. BRHADD. in Ind. St. 1, 118. WEBER, GJOT. 2, 391, N. 1.
P. 4, 4, 80. M. 5, 117. JĀṆ. 3, 42. MBh. 2, 1440. 2086. 3, 10643. कनकामय 6,
301. 12, 12659. 13, 3270. 3312. शकटोर्वी 4167. 14, 1931. HARIV. 3419. R.
2, 36, 5. 113, 20 (124, 20 GORR.). R. GORR. 2, 83, 21. 6, 96, 13. VARĀH. BRH. S.
8, 3. 34, 5. 43, 21. 45, 7. 46, 9. 86, 74. Spr. 2345. 5048. KATHS. 61, 326. 328.
MĀRK. P. 49, 50. PANĒAT. 8, 15. ed. orn. 4, 12. HIT. 46, 13. °भङ्गकवच-
न्यास (Kṛṣṇa hat als Kind einen Karren umgeworfen und zerbro-
chen) Verz. d. Oxf. H. 26, b, 34. °व्रत 34, a, 19. शकटपणाः Karren und
Waaren (nach den Erklärern) R. GORR. 2, 97, 20 (शकटायनाः SCHL., शक-
टपणाः ed. Bomb.). शकटपणवेशाः (so die ed. Bomb. überall) Karren,
Waaren und Zelte für Buhldirnen MBh. 3, 14846. 14922. 5, 5155. 7647.
15, 612. शकट als m. R. 7, 93, 3. Spr. 2345, v. l. Buāc. P. 2, 7, 27. शकटी
gaṇa बह्नादि zu P. 4, 1, 45. RV. 10, 146, 3. °मुक्षी SHAPV. Br. 4, 7. R. 1,
33, 18. 80, 4. HARIV. 3448. शकटोशकट als adj. (!) zu घोष 3326. Nach
ÇĀNT. 4, 1 können शकाटि (vgl. gaṇa बह्नादि zu P. 4, 1, 43) und शकटी
beliebig betont werden. — 2) प्राज्ञापत्यम्, रोहिण्याः oder रोहिणीशक-
टम् das als Karren gedachte Nakshatra Rohiṇī Spr. 1886. 2367. SŪR-
JAS. 8, 13. Spr. 2648. fg. VARĀH. BRH. S. 24, 30. PANĒAT. 50, 20. KUYALAJ.
193, b (169, b). शकटभेद COLLEBR. Misc. Ess. II, 332. — 3) m. n. Bez. einer
best. Truppenaufstellung M. 7, 187. MBh. 15, 249. KĀM. NITIS. 18, 49. 19,
40. 48. fg. °व्यूह MBh. 7, 192. — 4) n. Bez. einer best. Constellation,
wenn nämlich alle Planeten im 1ten und 7ten Hause stehen, VARĀH.
BRH. 12, 4. 5. 13. — 5) m. schlechte Lesart für शाकट Wagenlast H. 885.
— 6) m. N. pr. eines Mannes gaṇa नडादि zu P. 4, 1, 99. eines von
Vishṇu oder Kṛṣṇa erschlagenen Asura H. 220. शकटारि 221, Schol.
°भिद् PANĒAT. 4, 3, 132. शकटामुर्भञ्जन 1, 20. 8, 76. — 7) N. pr. einer
Oertlichkeit Verz. d. Oxf. H. 338, b, 29. — Vgl. शङ्कारशकटी, पुष्प°, शा-
कट und शाकटायन.

शकटविल s. शकटाविल.

शकटाय (von शकट), °यति einen Karren darstellen: शकटायती Buāc.
P. 10, 30, 15.

शकटायन, °नाः R. 2, 89, 15 fehlerhaft für शकटायनाः; s. u. शकट 1).